

# THE PĀḲI ALPHABET IN MYANMAR AND ROMAN CHARACTERS

## VOWELS

အ a    အာ ā    ဣ i    ဤ ī    ဥ u    ဦ ū    ဧ e    ဩ o

### CONSONANTS WITH VOWEL "A"

|      |       |      |       |             |
|------|-------|------|-------|-------------|
| က ka | ခ kha | ဂ ga | ဃ gha | င ṅa        |
| စ ca | ဆ cha | ဇ ja | ည jha | ဉ ṇa        |
| ဋ ṭa | ဌ ṭha | ဍ ḍa | ဎ ḍha | ဏ ṇa        |
| တ ta | ထ tha | ဒ da | ဓ dha | န na        |
| ပ pa | ဖ pha | ဗ ba | ဘ bha | မ ma        |
| ယ ya | ရ ra  | လ la | ဝ va  | သ sa        |
|      |       |      |       | ဟ ha        |
|      |       |      |       | ဠ ḷa    ၵ m |

## VOWELS IN COMBINATION

|       |        |        |        |        |         |        |         |
|-------|--------|--------|--------|--------|---------|--------|---------|
| က ka  | ကာ kā  | ကိ ki  | ကီ kī  | ကု ku  | ကူ kū   | ကေ ke  | ကော ko  |
| ခ kha | ခါ khā | ခိ khi | ခီ khī | ခု khu | ခုū khū | ခေ khe | ခေါ kho |

## CONJUNCT-CONSONANTS

|         |         |         |         |
|---------|---------|---------|---------|
| ကက kka  | ခခ ṅca  | ဒဒ dva  | ဓဓ mba  |
| ကခ kka  | ခည ṅcha | ဃဃ dhya | ဓည mbha |
| ကျ kya  | ခဃ ṅja  | ဇဇ dhva | ဓဃ mma  |
| ကြ kri  | ညည ṅjha | ဇတ nta  | ဃဃ mya  |
| ကလ kla  | ညတ ṭṭa  | ဇန ntva | ဃမ mha  |
| ကွ kva  | ညဏ ṭṭha | ဇဏ ntha | ယယ yya  |
| ချ khya | ညဍ ḍḍa  | ဇန nda  | ယှ yha  |
| ခခ khva | ညဓ ḍḍha | ဇဏ ndra | လလ lla  |
| ဂဂ gga  | ညန ṇṭa  | ဇန ndha | လှ lya  |
| ဂဃ ggha | ညည ṇṭha | ဇန nna  | လှ lha  |
| ဂျ gya  | ညည ṇḍa  | ဃဃ nya  | ဂှ vha  |
| ဂြ gra  | ညည ṇṇa  | နဃ nha  | ညှ sta  |
| ကိ ṅka  | ညည ṇha  | ပပ ppa  | ကြ strā |
| ခိ ṅkha | ညတ tta  | ပပ ppha | ညှ sna  |
| ဂိ ṅga  | ညတ ttha | ပယ pya  | ညှ sya  |
| ညိ ṅgha | ညတ tva  | ပလ pla  | ညှ ssa  |
| စစ cca  | ညည tya  | ဓဓ bba  | ညှ sma  |
| စည ccha | တြ tra  | ဓဓ bbha | ညှ sva  |
| ညည jja  | ညည dda  | ဃဃ bya  | ညှ hma  |
| ညည jjha | ညည ddha | ဃဃ bra  | ညှ hva  |
| ညည ṅṅa  | ညည dya  | ဓဓ mpa  | ညှ ḷha  |
| ညည ṅha  | ညည dra  | ဓဓ mpha |         |

၁-ါ = ā;    ° = i;    ° = ī;    ဟ-ါ = u;    ဟ-ါ = ū;    ဧ = e;    ဧ-ါ = o

|   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ၁ | ၂ | ၃ | ၄ | ၅ | ၆ | ၇ | ၈ | ၉ | ၀ |
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 0 |

ဆဋ္ဌသင်္ဂါယနာတင်စဉ်က သင်္ဂီတိမဟာထေရ်တို့

ရွတ်ဆိုကြသည့်အတိုင်း ပုံနှိပ်သည့်

ပါဠိပိဋကတ်ကျမ်း (၁၃၁၈/၁၉၅၆) ခုနှစ်စာမူတော်ကို

ဗုဒ္ဓစာပေအဖွဲ့က ကွန်ပျူတာစာစီပူဇော်ပေးလှူသည်။

(၁၃၇၇-ခုနှစ်)

ဦးရဲမြင့်ဖေ+ ဒေါ်-----

မိသားတစ်စုမှလှူဒါန်းသည်။

ရန်ကုန်မြို့၊ ကမ္ဘာအေး၊ သာသနာရေးဝန်ကြီးဌာန

သာသနာရေးဦးစီးဌာန၊ ကမ္ဘာအေးစာပုံနှိပ်တိုက်တွင်

ညွှန်ကြားရေးမှူး ဦးဝင်းထင်အောင်

(မှတ်ပုံတင်အမှတ်- ၀၃၈၄၃/၀၂၄၀၅) က

ပုံနှိပ်ထုတ်ဝေသည်။

# မဟာဝဂ္ဂပါဠိ

မာတိကာ

ပိဋကံ

## ၁-မဟာပဒါနသုတ္တ

|                           |      |      |    |
|---------------------------|------|------|----|
| ပုဗ္ဗေနိဝါသပဋိသံယုတ္တကထာ  | .... | .... | ၁  |
| ဗောဓိသတ္တဓမ္မတာ           | .... | .... | ၁၀ |
| ဒွတ္တိသမဟာပုရိသလက္ခဏာ     | .... | .... | ၁၃ |
| ဝိပဿီသမညာ                 | .... | .... | ၁၇ |
| ဇိဏ္ဏပုရိသ                | .... | .... | ၁၈ |
| ဗျာဓိတပုရိသ               | .... | .... | ၂၀ |
| ကာလင်္ကတပုရိသ             | .... | .... | ၂၁ |
| ပဗ္ဗဇိတ                   | .... | .... | ၂၃ |
| ဗောဓိသတ္တပဗ္ဗဇာ           | .... | .... | ၂၅ |
| မဟာဇနကာယအနုပဗ္ဗဇာ         | .... | .... | ၂၅ |
| ဗောဓိသတ္တအဘိနိဝေသ         | .... | .... | ၂၆ |
| ဗြဟ္မယာစနကထာ              | .... | .... | ၃၀ |
| အဂ္ဂသာဝကယုဂ               | .... | .... | ၃၄ |
| မဟာဇနကာယပဗ္ဗဇာ            | .... | .... | ၃၆ |
| ပုရိမပဗ္ဗဇိတာနံ ဓမ္မဘိသမယ | .... | .... | ၃၇ |
| စာရိကာအနုဇာနန             | .... | .... | ၃၉ |
| ဒေဝတာရောစန                | .... | .... | ၄၂ |

## ၂-မဟာနိဒါနသုတ္တ

|                 |      |      |    |
|-----------------|------|------|----|
| ပဋိစ္စသမုပ္ပါဒ  | .... | .... | ၄၇ |
| အတ္တပညတ္တိ      | .... | .... | ၅၄ |
| နအတ္တပညတ္တိ     | .... | .... | ၅၅ |
| အတ္တသမနုပဿနာ    | .... | .... | ၅၆ |
| သတ္တဝိညာဏဋ္ဌိတိ | .... | .... | ၅၈ |
| အဋ္ဌဝိမောက္ခာ   | .... | .... | ၆၀ |

[ခ]

မဟာဝဂ္ဂပါဠိ

ဓာတိကာ

ပိဋကံ

၃-မဟာပရိနိဗ္ဗာနသုတ္တံ

|                           |      |      |     |
|---------------------------|------|------|-----|
| ဝဿကာရဗြာဟ္မဏ              | .... | .... | ၆၁  |
| ရာဇအပရိဟာနိယဓမ္မ          | .... | .... | ၆၂  |
| ဘိက္ခုအပရိဟာနိယဓမ္မ       | .... | .... | ၆၄  |
| သာရိပုတ္တသီဟနာဒ           | .... | .... | ၆၉  |
| ဒုဿီလအာဒိနဝ               | .... | .... | ၇၁  |
| သီလဝန္တအာနိသံသ            | .... | .... | ၇၃  |
| ပါဠုလိပုတ္တနဂရမာပန        | .... | .... | ၇၄  |
| အရိယသစ္စကထာ               | .... | .... | ၇၆  |
| အနာဝတ္တိဓမ္မသမ္မောဓိပရာယဏ | .... | .... | ၇၇  |
| ဓမ္မာဒါသဓမ္မပရိယာယ        | .... | .... | ၇၉  |
| အဓမ္မပါလီဂဏိကာ            | .... | .... | ၈၁  |
| ဝေဠုဝဂါမဝဿူပဂမန           | .... | .... | ၈၄  |
| နိမိတ္တောဘာသကထာ           | .... | .... | ၈၆  |
| မာရယာစနကထာ                | .... | .... | ၈၇  |
| အာယုသင်္ခါရဩဿဇ္ဇန         | .... | .... | ၈၉  |
| မဟာဘူမိစာလဟေတု            | .... | .... | ၉၀  |
| အဋ္ဌပရိသာ                 | .... | .... | ၉၁  |
| အဋ္ဌအဘိဘာယတန              | .... | .... | ၉၂  |
| အဋ္ဌဝိမောက္ခ              | .... | .... | ၉၄  |
| အာနန္ဒယာစနကထာ             | .... | .... | ၉၆  |
| နာဂါပလောကိတ               | .... | .... | ၁၀၁ |
| စတုမဟာပဒေသကထာ             | .... | .... | ၁၀၂ |
| ကမ္မာရပုတ္တစုန္ဒဝတ္ထု     | .... | .... | ၁၀၅ |
| ပါနီယာဟရဏ                 | .... | .... | ၁၀၆ |
| ပုက္ကသမဇ္ဈပုတ္တဝတ္ထု      | .... | .... | ၁၀၈ |
| ယမကသာလာ                   | .... | .... | ၁၁၃ |
| ဥပဝါဏတ္ထေရ                | .... | .... | ၁၁၄ |

# မဟာဝဂ္ဂပါဠိ

[၈]

| ဇာတိကာ               |      |      | ပိုဒ် |
|----------------------|------|------|-------|
| စတုသံဝေဇနီယဌာန       | .... | .... | ၁၁၆   |
| အာနန္ဒပုစ္ဆာကထာ      | .... | .... | ၁၁၆   |
| ထူပါရဟပုဂ္ဂလ         | .... | .... | ၁၁၇   |
| အာနန္ဒအစ္ဆရိယဓမ္မ    | .... | .... | ၁၁၈   |
| မဟာသုဒဿနသုတ္တဒေသနာ   | .... | .... | ၁၂၁   |
| မလ္လာနံ ဝန္တနာ       | .... | .... | ၁၂၂   |
| သုဘဒ္ဒပရိဗ္ဗာဏေဝတ္ထု | .... | .... | ၁၂၃   |
| တထာဂတပစ္စိမဝါစာ      | .... | .... | ၁၂၆   |
| ပရိနိဗ္ဗုတကထာ        | .... | .... | ၁၂၈   |
| ဗုဒ္ဓသရီရပူဇာ        | .... | .... | ၁၃၁   |
| မဟာကဿပတ္ထေရဝတ္ထု     | .... | .... | ၁၃၃   |
| သရီရဓာတုဝိဘဇန        | .... | .... | ၁၃၅   |
| ဓာတုထူပပူဇာ          | .... | .... | ၁၃၇   |

## ၄-မဟာသုဒဿနသုတ္တ

|                      |      |      |     |
|----------------------|------|------|-----|
| ကုသာဝတီ ရာဇဓာနီ      | .... | .... | ၁၃၉ |
| စက္ကရတန              | .... | .... | ၁၄၁ |
| ဟတ္ထိရတန             | .... | .... | ၁၄၂ |
| အဿရတန                | .... | .... | ၁၄၃ |
| မဏိရတန               | .... | .... | ၁၄၃ |
| ဣတ္ထိရတန             | .... | .... | ၁၄၃ |
| ဂဟပတိရတန             | .... | .... | ၁၄၄ |
| ပရိဏာယကရတန           | .... | .... | ၁၄၄ |
| စတုတ္ထဒွိသမန္နာဂတ    | .... | .... | ၁၄၅ |
| ဓမ္မပါသာဒပေါက္ခရဏီ   | .... | .... | ၁၄၆ |
| ဈာနသမ္ပတ္တိ          | .... | .... | ၁၅၂ |
| စတုရသီတိနဂရသဟဿာဒိ    | .... | .... | ၁၅၃ |
| သုဘဒ္ဒါဒေဝိဥပသင်္ကမန | .... | .... | ၁၅၄ |
| ဗြဟ္မလောကူပဂမ        | .... | .... | ၁၅၉ |

[ဃ]

မဟာဝဂ္ဂပါဠိ

မာတိကာ

ပိဋကံ

၅-ဇနဝသဘသုတ္တ

|                   |      |      |     |
|-------------------|------|------|-----|
| နာတိကိယာဒိဗျာကရဏ  | .... | .... | ၁၆၂ |
| အာနန္ဒပရိကထာ      | .... | .... | ၁၆၃ |
| ဇနဝသဘယက္ခ         | .... | .... | ၁၆၆ |
| ဒေဝသဘာ            | .... | .... | ၁၆၈ |
| သနင်္ကမာရကထာ      | .... | .... | ၁၆၉ |
| ဘာဝိတက္ကဒ္ဒိပါဒ   | .... | .... | ၁၇၂ |
| တိဝိဓဩကာသာဓိဂမ    | .... | .... | ၁၇၃ |
| စတုသတိပဋ္ဌာန      | .... | .... | ၁၇၄ |
| သတ္တသမာဓိပရိက္ခာရ | .... | .... | ၁၇၅ |

၆-မဟာဂေါဝိန္ဒသုတ္တ

|                            |      |      |     |
|----------------------------|------|------|-----|
| ဒေဝသဘာ                     | .... | .... | ၁၇၈ |
| အဋ္ဌယထာဘူစွဝဏ္ဏ            | .... | .... | ၁၇၉ |
| သနင်္ကမာရကထာ               | .... | .... | ၁၈၂ |
| အဋ္ဌယထာဘူစွဝဏ္ဏ            | .... | .... | ၁၈၄ |
| ဂေါဝိန္ဒဗြာဟ္မဏဝတ္ထု       | .... | .... | ၁၈၆ |
| မဟာဂေါဝိန္ဒဝတ္ထု           | .... | .... | ၁၈၆ |
| ရဇ္ဇသံဝိဘဇန                | .... | .... | ၁၈၇ |
| ကိတ္တိသဒ္ဒအဗျူဂမန          | .... | .... | ၁၉၀ |
| ဗြဟ္မနာသာကစ္ဆာ             | .... | .... | ၁၉၃ |
| ရေဏုရာအောမန္တနာ            | .... | .... | ၁၉၅ |
| ဆခတ္တိယအာမန္တနာ            | .... | .... | ၁၉၆ |
| ဗြာဟ္မဏမဟာသာလာဒိနံအာမန္တနာ | .... | .... | ၁၉၉ |
| ဘရိယာနံအာမန္တနာ            | .... | .... | ၁၉၉ |
| မဟာဂေါဝိန္ဒပဗ္ဗဇ္ဇာ        | .... | .... | ၂၀၀ |

၇-မဟာသမယသုတ္တ

|               |      |      |     |
|---------------|------|------|-----|
| ဒေဝတာသန္နိပါတ | .... | .... | ၂၀၄ |
|---------------|------|------|-----|

မာတိကာ

ပိဋက

## ၈-သက္ကပဉ္စသုတ္တ

|                 |      |      |     |
|-----------------|------|------|-----|
| ပဉ္စသိခဂီတဂါထာ  | .... | .... | ၂၁၂ |
| သက္ကပဉ္စသင်္ကမ  | .... | .... | ၂၁၄ |
| ဂေါပကဝတ္ထု      | .... | .... | ၂၁၆ |
| ဝေဒနာကမ္မဋ္ဌာန  | .... | .... | ၂၂၁ |
| ပါတိမောက္ခသံဝရ  | .... | .... | ၂၂၃ |
| ဣန္ဒြိယသံဝရ     | .... | .... | ၂၂၄ |
| သောမနဿပဋိလာဘကထာ | .... | .... | ၂၂၇ |

## ၉-မဟာသထိပဋ္ဌာနသုတ္တ

|                              |      |      |     |
|------------------------------|------|------|-----|
| ဥဒ္ဓေသ                       | .... | .... | ၂၃၁ |
| ကာယာနုပဿနာ အာနာပါနပဗ္ဗ       | .... | .... | ၂၃၁ |
| ကာယာနုပဿနာ ဣရိယာပထပဗ္ဗ       | .... | .... | ၂၃၂ |
| ကာယာနုပဿနာ သမ္မဇာနပဗ္ဗ       | .... | .... | ၂၃၃ |
| ကာယာနုပဿနာ ပဋိကူလမနသိကာရပဗ္ဗ | .... | .... | ၂၃၃ |
| ကာယာနုပဿနာ ဓာတုမနသိကာရပဗ္ဗ   | .... | .... | ၂၃၄ |
| ကာယာနုပဿနာ နဝသိဝထိကပဗ္ဗ      | .... | .... | ၂၃၅ |
| ဝေဒနာနုပဿနာ                  | .... | .... | ၂၃၆ |
| စိတ္တာနုပဿနာ                 | .... | .... | ၂၃၇ |
| ဓမ္မာနုပဿနာ နိဝရဏပဗ္ဗ        | .... | .... | ၂၃၈ |
| ဓမ္မာနုပဿနာ ခန္ဓပဗ္ဗ         | .... | .... | ၂၃၉ |
| ဓမ္မာနုပဿနာ အာယတနပဗ္ဗ        | .... | .... | ၂၄၀ |
| ဓမ္မာနုပဿနာ ဗောဇ္ဈင်္ဂပဗ္ဗ   | .... | .... | ၂၄၁ |
| ဓမ္မာနုပဿနာ သစ္စပဗ္ဗ         | .... | .... | ၂၄၃ |
| ဒုက္ခသစ္စနိဒ္ဓေသ             | .... | .... | ၂၄၃ |
| သမုဒယသစ္စနိဒ္ဓေသ             | .... | .... | ၂၄၆ |
| နိရောဓသစ္စနိဒ္ဓေသ            | .... | .... | ၂၄၇ |
| မဂ္ဂသစ္စနိဒ္ဓေသ              | .... | .... | ၂၄၉ |

[ ၈ ]

မဟာဝဂ္ဂပါဠိ

| မာတိကာ             |                |      | ပိဋကံ |
|--------------------|----------------|------|-------|
|                    | ၁၀-ပါယာသိသုတ္တ |      |       |
| ပါယာသိရာဇညဝတ္ထု    | ....           | .... | ၂၅၃   |
| နတ္ထိကဝါဒ          | ....           | .... | ၂၅၅   |
| စန္ဒိမသူရိယဥပမာ    | ....           | .... | ၂၅၅   |
| စောရဥပမာ           | ....           | .... | ၂၅၆   |
| ဂူထကူပပုရိသဥပမာ    | ....           | .... | ၂၅၉   |
| တာဝတိံသဒေဝဥပမာ     | ....           | .... | ၂၆၁   |
| ဇေဉ္ဇနဥပမာ         | ....           | .... | ၂၆၂   |
| ဂမ္ဘီနီဥပမာ        | ....           | .... | ၂၆၃   |
| သုပိနကဥပမာ         | ....           | .... | ၂၆၅   |
| သန္တက္ကအယောဂုဠဥပမာ | ....           | .... | ၂၆၆   |
| သင်္ခမေဥပမာ        | ....           | .... | ၂၆၈   |
| အဂ္ဂိကဇဠိလဥပမာ     | ....           | .... | ၂၇၀   |
| ဒွေသတ္တဝါဟဥပမာ     | ....           | .... | ၂၇၂   |
| ဂူထဘာရိကဥပမာ       | ....           | .... | ၂၇၅   |
| အက္ခရုတ္တကဥပမာ     | ....           | .... | ၂၇၆   |
| သာဏဘာရိကဥပမာ       | ....           | .... | ၂၇၇   |
| သရဏဂမန             | ....           | .... | ၂၇၉   |
| ယညကထာ              | ....           | .... | ၂၇၉   |
| ဥတ္တရမာဏဝဝတ္ထု     | ....           | .... | ၂၈၀   |
| ပါယာသိဒေဝပုတ္တ     | ....           | .... | ၂၈၁   |
| ဥဒ္ဒါနဂါထာ         | ....           | .... | ၂၈၃   |

မဟာဝဂ္ဂပါဠိမာတိကာ နိဋ္ဌိတာ။

ဆဋ္ဌသင်္ဂီတိပိဋကံ

သုတ္တန္တပိဋကော ခိယနိကာယေ

# မဟာဝဂ္ဂပါဠိ

ဆဋ္ဌသင်္ဂီတိယံ ထေရော၊ သင်္ဂီတိကာရကာ ယထာ။  
သင်္ဂီယံသု တထေဝါယံ၊ ကောမ္ဘုတာယ သမုဒ္ဓိတာ။



မရမ္မရဇေ ဗုဒ္ဓသာသနသမိတိယာ  
မုဗ္ဗဏယန္တိလယေ မုဗ္ဗိတိတာ။